


तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
8/7/22	 <p>वकुलाय उपस्थित/बहस घे अवसर-चाघा मिमल वास्ते बहस दिनांक 29/7/25 को पेश हो</p>	
29/07/25	<p>पत्रावली पेश हुई। वकुलाय उभयपक्ष उपस्थित, हो. माठासीन अधिकारी महो. राजा. का. में उपस्थित हैं। मिमल साबिक कार्यवाही हेतु दिनांक...19.08.25 को पेश हो।</p> <p style="text-align: center;">रीडर</p>	
19/8/25	<p>वकुलाय उपस्थित/ P.O. सा. अवकाश पर हैं। मिमल वास्ते बहस दिनांक 16/9/25 को पेश हो</p>	
16/9/25	<p>वकुलाय उपस्थित/ बहस घे अवसर-चाघा मिमल वास्ते बहस दिनांक 6/10/25 को पेश हो</p>	
06.10.25	<p>वकुलाय उपस्थित/ बहस उभयपक्ष सुनी गरी। मिमल वास्ते आदेश दिनांक 13-10-25 को पेश हो</p>	
13/10/25	<p>वकुलाय उपस्थित/ पत्रावली का अवलोकन किया तथा बहस उभयपक्ष पर मनन किया गया। जिससे प्रकट है कि अधीन दाय अधिमा पत्र अन्नगरी धारा 17(A) राजस्थान उपनिवेश न अधिनियम, 1954 पेश किया गया कि पत्रावली पर तस्वील बून्दी से प्राप्त अंततः पत्रावली</p>	

तारीख
हुकम



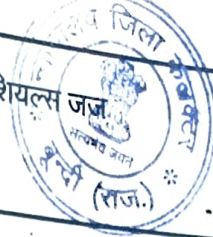
हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

के अवलोकन से विदित है कि प्रख्यात
आवंटन फ़ारमर्शदात्री समिति मुकामनपागांव
झाय गाम झरवालापुरा की आराजी खसरा
सं. 1289 रकबा 10 बीघा भूमि का दिनांक
04-11-1977 को राजस्थान उपनिवेशन
(चम्बल परियोजना सरकारी भूमियों के
आवंटन तथा विक्रय संबंधी) नियम 1957
के अधीन आवंटन किया गया है। उक्त नियम
के अन्तर्गत आवंटित भूमि का आवंटन
धारा 22 के तहत आवंटन आथोरिटी द्वारा
निरस्त किए जाने का प्रावधान निहित है।
धारा-22 Powers of cancellation

-If at any time, it is discovered
that any allotment of Government
land was made under these
rules upon an incorrect state-
ment of facts made in the
application or in the affidavit
or any document produced
by an allottee, the Allotting
Authority may order cancellation
of such allotment and may also
order re-entry upon and taking
possession of the land without
payment of any compensation.

हुकम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज



नम्बर व तारीख
अहकाम जो इस
हुकम की तामील
में जारी हुए

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि चम्बल
परियोजना क्षेत्र में सरकारी भूमियों का
आवंटन तथा विक्रय नियम 1957 की
धारा 22 के तहत विवादित आंवंटन
निरस्ती की कार्यवाही आंवंटन आधारेटी
के समक्ष पेश की जानी चाहिए।
जबकि वस्तुगत प्रकरण में प्राचीणिण द्वारा
आंवंटन नियम से भिन्न नियमों के तहत
तथा सक्षम न्यायालय के बजाय अन्य
न्यायालय में पेश की गयी है, जो विधिक
प्रावधानों के विपरीत होने से इस न्यायालय
में चलने योग्य नहीं है। परिणामस्वरूप
प्राचीमापत्र प्राचीणिण इस न्यायालय में
पोषनीय नहीं होने से अस्वीकार किया
जाता है। प्राचीणिण आंवंटन नियमान्तर्गत
सक्षम न्यायालय में कार्यवाही पेश किये
जाने हेतु स्वतंत्र है। अधीनस्थ न्यायालय
की मूल आंवंटन फत्रावली वापस लौटाई
जावे। फत्रावली फैसले में शुमार होकर
दाखिल दफ्तर करवाई जावे। w

जिला कलेक्टर, बुन्देलखण्ड